चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-12-23		

THE TIMES OF INDIA
INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Collective efforts must for food security, says Khattar

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: Highlighting natural farming as need of the hour, Haryana chief minister Manohar Lal on Monday urged agricultural scientists for collective efforts at the global level for food and nutrition security.

The CM was speaking as the chief guest at the inauguration of a three-day international conference on "Strategy for Global Food-Nutrition Security, Sustainability and Health" and an exhibition on entrepreneurship and innovation in the agricultural sector organised by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University here.

Khattar said with the green revolution there had been a rapid increase in the non-judicious use of various chemicals and fertilisers to increase crop production, leading to second generation problems such as groundwater contamination and declining soil health, biodiversity loss, etc. Therefore, natural farming is the need of the hour. It reduces the dependence on synthetic and chemical inputs like fertilisers and pesticides which are harmful to the environment and health, he said.

The CM further said to get rid of these problems and for the sustainable development of agriculture in Haryana, the state government was promoting organic and natural farming and diversification through horticultural crops, aquaculture, poultry, etc. under the Paramparagat Krishi Vikas Yojana.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5-12-23	9	2-6

हकृवि में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षाके लिए रणनीति विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाना जरूरी

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे बतायाा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर रहें, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा मौजूद रहें। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने समारोह की अध्यक्षता की। फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि, जल, ऊर्जा व श्रम जैसे संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव, जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन का कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

तकनीक से कृषि क्षेत्र में कृषकों को सपंन्नता संभव : प्रो. कापारेडा

अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया कि अभियांत्रिकी आधारित व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपन्नता संभव है। उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. जयंति टोकस व डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया।

पोषण सुरक्षा आधारित कृषि पद्धतियां समय की मांग : प्रो. काम्बोज

कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की भलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशों से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भोजन के उत्पादन, उपभोग और प्रभाव से संबंधित हैं। इन दोनों पहलुओं को संतुलित करना, मुनष्य और पृथ्वी की भलाई के लिए आवश्यक है। स्थायी खाद्य प्रणालियां अक्सर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-12-23	1	1-5

भास्कर खास • एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

2050 तक विश्व का औसत तापमान 2 डिग्री तक बढ़ेगा, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना होगा, हरियाली को दें बढ़ावा : प्रो. रिडेकर

यशपाल सिंह | हिसार

ग्लोबल वार्मिंग के चलते विश्व का औसत तापमान 2050 तक 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के चलते जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ऊर्जा है। इसके चार बड़े कारक पेट्रोल, डीजल, कोयला और प्राकृतिक गैस आदि हैं। इसलिए ग्लोबल वार्मिंग को रोकने, वातावरण को अनुकूल बनाने और सभी देशों को खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक प्रयास व अनुसंधान करने होंगे। पृथ्वी का स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए वनीय क्षेत्र और हरियाली को बढ़ाना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर रहे। दुनिया में बढ़ते तापमान को लेकर प्रो. सी. रिडेकर रिसर्च कर चुके हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की

प्रो. आर्थर सी. रिडेकर

विकसित व विकासशील देशों को सोचना होगा

विकसित और विकासशील देशों को ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करने पर सोचना होगा। जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अत्यधिक वर्षा आदि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा। यह वनीय क्षेत्र व हरियाली बढ़ाकर संभव है। ड्रिलिंग, खनन और लैंडफिल के बीच के अंतर को कम करना होगा। भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव करना होगा।

समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में बताया।

धान की पराली और फसली अवशेषों को कार्बन में बदल जैव ईंधन के रूप में कर सकते हैं इस्तेमाल : प्रो. सर्जिओ

धान व अन्य फसली अवशेषों को कार्बन में परिवर्तित करना व जैव ईंधन के रूप में इनका प्रयोग करना आदि किसानों को प्रशिक्षित करके टिकाऊ खेती करना समय की मांग है। कृषि विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से टिकाऊ खेती की स्थिरता को बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, कार्बन क्रेडिट, कार्बन सिक्वसट्रेशन के साथ ही कृषि बाई-प्रोडेक्ट को कार्बन में परिवर्तित कर ऊर्जा पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया कि अभियांत्रिकी आधारित

व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपन्नता संभव है।

उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-12-23	2	2-5

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मनोहर लाल

हकृवि में मुख्यमंत्री ने उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार: मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है। उन्होंने कहा हरियाणा में कृषि के सतत विकास के लिए राज्य सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत बागवानी फसलों, जलीय कृषि, मुर्गी पालन आदि

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। साथ में हैं शहरी निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र, कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य। ● जागरण

के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनियां के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि में आधुनिकता लाने व समस्याओं को एक साथ हल करने के लिए हम दूसरे देशों का भी स्वागत करते हैं। विशेष तौर पर इजराइल के साथ हमने अच्छे संबंध बनाए है जिसमें हमारे यहां चल रहे 14 उत्कृष्टता केन्द्रों में इजराइल के साथ-साथ जापान का भी योगदान रहा है और भविष्य में दूसरे देशों के साथ भी कृषि गतिविधियों को बढ़ाया दिया जाएगा।

उन्होंने फसल सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, जलवायु लचीलापन, मूल्य संवर्धन, आय सृजन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और फसल कटाई के पहले और बाद की कई चुनौतियों को कम करने के लिए किसानों के बीच नवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रसारण में हरियाणा कृषि विवि द्वारा दिए जा रहे योगदान के लिए प्रशंसा की।

कैलेंडर में चार दिसंबर अंकित होगा विशेष दिवस

जासं, जींद : चार दिसंबर को सरकारी कैलेंडर में विशेष दिवस घोषित किया जाएगा। सैन समाज के परंपरागत कार्यों की दक्षता व प्रशिक्षण के लिए गुरुग्राम, हिसार, रोहतक और अंबाला में चार केश कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों की सफलता के बाद आवश्यकतानुसार अन्य जगहों पर भी केंद्र भी खोले जाएंगे। ये घोषणाएं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को संत शिरोमणी सैन भक्त की जयंती के उपलक्ष्य में एकलव्य स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस समाज को सैन नाम से अलग पहचान देने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले के लिए 580 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सैन भगत ने जनजागरण के रूप में ख्याति प्राप्त की। साथ ही आह्वान किया कि लोग बच्चों को नशे से दूर रखें। नशे का कारोबार करने वालों की कमर तोड़ने के लिए सरकार काम कर रही है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-12-23	4	3-8

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन • एचएयू में सीएम ने किया तीन दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ, देश -विदेश के सैकड़ों वैज्ञानिक पहुंचे

खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी अवधारणाएं, दोनों को संतुलित करना मानव और पृथ्वी के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं। जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भोजन के उत्पादन, उपभोग और प्रभाव से संबंधित हैं। इन दोनों पहलुओं को संतुलित करना, मुनष्य और पृथ्वी की भलाई के लिए आवश्यक है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर. काम्बोज ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की भलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशों से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

स्थायी खाद्य प्रणालियां अक्सर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। स्वास्थ्य का हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से गहरा संबंध है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे फल, सब्जियां, संपूर्ण अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। न्यूटी-2023 सम्मेलन में वैश्विक पोषण सुरक्षा और कल्याण के लिए बाजरा, कृषि-व्यवसाय के लिए कृषि-उद्यमिता और उद्योग संबंध, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण कृषि, टिकाऊ कृषि के लिए संसाधन प्रबंधन और एकीकृत खेती, फसल उत्पादन में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन के तरीकें, प्राकृतिक व जैविक खेती, कृषि उत्पादन बढ़ाने में सूक्ष्म जीवों का योगदान मुख्य विषय रहेंगे।

हिसार | हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल, निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और वीसी प्रो. बीआर कॉम्बोज।

हिसार | एचएयू के सभागार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर मौजूद मेहमान वैज्ञानिक और एचएयू के वीसी प्रो. बीआर कॉम्बोज।

हिसार | एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेल में करीब 15 देशों के 1500 से ज्यादा वैज्ञानिक और शोधार्थी पहुंचे।

सम्मेलन में ये प्रमुख वैज्ञानिक ले रहे भाग

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ. डिटर एच त्रुट्ज ओस्नाबुरक, डेनमार्क से डॉ. अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ. टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ. विक्टर कामकिन व डॉ. ओक्साना एर्माकोवा, फ्रांस से डॉ. बोचाइब खदरी, पौलेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्त्र से डॉ. हॉसम रूश्दी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीम्यीट मैक्सिको से डॉ. एमके गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीवा, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फगिओं व डॉ. वाल्मी हैजे-फगियो, ईरी-शार्क से डॉ. राबे याहया, ईक्रीसेट से डॉ. एसके गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा शामिल हैं। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे हैं, जिनमें एडीजी आईसीआर डॉ. एसके शर्मा, एडीजी आईसीआर डॉ. बीपी मोहंती इत्यादि शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया। जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. जयंती टोकस व डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-12-23	4	2-8

कृषि संसाधनों का उचित प्रयोग जरूरी : प्रो. आर्थर

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए दिए सुझाव, हकृवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की ओर से मुख्यातिथि फ्रांस के आइपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते हुए। • जागरण

हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित देश व विदेश के शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आइपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर रहे, मुख्य वक्ता अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा मौजूद रहे। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने समारोह की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता डा. केडी शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डा. जयंति टोकस व डा. ज्योति सिहाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया।

अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभियांत्रिकी आधारित व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपन्नता संभव है। उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से टिकाऊ खेती की स्थिरता को बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, कार्बन क्रेडिट, कार्बन सिक्वसट्रेशन के साथ ही कृषि बाई-प्रोडेक्ट को कार्बन में परिवर्तित कर ऊर्जा पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादन के साथ ही बाई-प्रोडेक्ट जैसे की धान की पराली व अन्य फसलों के अवशेष को भी योजनाबद्ध तरीके से पशुपालन में उपयोग कर खेत में ही समायोजित करना साथ ही इसे कार्बन में परिवर्तित करना व जैव ईंधन के रूप में प्रयोग करना इत्यादि विषय में किसानों को प्रशिक्षित कर टिकाऊ खेती को बचाना समय की मांग है।

भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने के बारे में बताया

प्रो. आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि, जल, ऊर्जा व श्रम जैसे संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की सलाह दी। कहा कि भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव, जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन का कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर करेंगे चर्चा

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की भलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है। इसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशों से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भोजन के उत्पादन, उपभोग और प्रभाव से संबंधित हैं। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, कैप्टन भूपेंद्र व मेयर गौतम सरदाना आदि मौजूद थे।

'कृषि समस्याएं दूर करने के लिए विज्ञानियों के सुझाव करेंगे लागू'

जागरण संवाददाता, हिसार मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कृषि में सुधार को लेकर विज्ञानियों की तरफ से काम किया जा रहा है। उसी को लेकर तीन दिन तक विश्व के विज्ञानी आपस में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए विचार मंथन करेंगे। इस मंथन में जो भी सुझाव निकल कर सरकार के पास आएंगे उनको लागू किया जाएगा। यह किसान और कृषि के लिए बेहतर होगा। वह सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वायु, प्रदूषण, पानी का संकट, मार्केटिंग का सही तरह से नहीं होना आदि समस्याएं सामने आ रही है। इन विषयों को लेकर विज्ञानी बातचीत करेंगे। उनकी भी विज्ञानियों से बातचीत हुई है। विज्ञानियों की तरफ से आयोजित संगोष्ठी में स्वस्थ शरीर कैसे रहे साथ ही कृषि की क्वालिटी कैसे सुधरे इस पर मंथन शुरू हो गया है। फसल पर कैमिकल का प्रयोग न हो इसको लेकर भी बातचीत की गई है। उस पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि तीन दिन बाद जो भी सुझाव उनको मिलेंगे उसे लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि जब भी उनको समय लगता है वह लोगों की सेवा के लिए निकल जाते है। सिविल अस्पताल में उनको व्यक्तिगत रूप से जो भी बात रखी उनको सही करने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल पत्रकारों से बातचीत करते हुए। • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	5-12-23	2	1-4

मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में किया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन के लिए कई देशों के साथ काम कर रही सरकार: मनोहर लाल

■ एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से 100 स्टार्टअप हुए शुरू

हिसार (सच कहूँ/श्याम सुंदर सरदाना)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप्स के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा हैं। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियों को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल आदि उपस्थित थे।

15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी ले रहे भाग

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-12-23	2	3-5

सीएम ने एचएयू में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

हरित क्रांति के साथ फसलों में बढ़ा उर्वरकों का उपयोग, प्राकृतिक खेती समय की मांग : सीएम

भास्कर न्यूज | हिसार/जींद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों के उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। वातावरण लगातार दूषित हो रहा है, इस तरफ सोचना होगा। वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, पानी की भी समस्या बढ़ रही है, ग्लोबल वार्मिंग एक चुनौती है, इसको लेकर सम्मेलन में जो भी सुझाव आएंगे उनको प्रदेश में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने देश-विदेश की शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

कहा - गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन के लिए राज्य सरकार कर रही काम

हिसार | हकृवि में प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम मनोहर लाल व अन्य।

42 हजार परिवारों के युवाओं को मिलेंगे 5 अंक

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 42 हजार परिवारों में अभी तक सरकारी नौकरी में कोई नहीं, उन समाज के लोगों को सरकारी नौकरी में 5 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य हर गरीब व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है।

15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी ले रहे भाग : प्रो. काम्बोज

एचएयू कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापरेडा ने तकनीकी विषयों पर व्याख्यान दिया।

पहले सरकारें बाप व दादा को याद करती थी, हम समाज के महापुरुषों और संतों को याद कर रहे

जींद में राज्य स्तरीय संत शिरोमणि सैन भगत महाराज की जयंती समारोह में सीएम मनोहरलाल ने मोदी सरकार को जीरो टोलरेंस वाली साबित करने का दावा ठोकते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि 100 रुपया भेजने पर आम जनता तक केवल 15 रुपए पहुंचते हैं, लेकिन आज की सरकार में 100 रुपए भेजने पर सीधे अकाउंट में 100 रुपए ही पहुंचते हैं। किसानों के खाते में भी सीधे फसल की पेमेंट जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अब जातिवाद, परिवादवाद की राजनीति को खत्म करने का काम कर रहे हैं। सीएम के कार्यक्रम से पहले किसान नेता डॉ. दलबीर बीबीपुर को पुलिस ने हिरासत में लेकर नजरबंद कर दिया। दलबीर पर सीएम के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपशब्द बोलने का आरोप है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-12-23	1	1-6

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एचएयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे प्रयास

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। इससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति उत्पन्न हो गई हैं। हमें भोजन के साथ पोषण की भी जरूरत है। प्राकृतिक खेती समय की मांग है।

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री। संवाद

उन्होंने कहा कि हरियाणा में कृषि के सतत विकास के लिए प्रदेश सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत बागवानी फसलों, जलीय कृषि, मुर्गी पालन आदि के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है।

सम्मेलन चुनौतियों का समाधान करने में कारगर

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह सम्मेलन विश्व स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने व चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में बहुत कारगर सिद्ध होगा। इस अवसर पर शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, मेयर गौतम सरदाना आदि उपस्थित रहे।

तकनीकी विषयों पर किया व्याख्यान : विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापारेडा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया।

पेज-04 पर पढ़े : बायोमास का खेत में ही जैविक तरीके से करें निपटान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	5-12-23	2	1-6

गुणवत्तापरक कृषि उत्पादन को बढ़ावा दे रही सरकार

मुख्यमंत्री ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। सीएम ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा हैं। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्रीगणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयों के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है।

- गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रही सरकार

हिसार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री

भावी पीढ़ियों को सुखद जीवन देने की दिशा में शोध जरूरी

इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियां को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-12-23	2	1-2

मुख्यातिथि फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए...

भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाना जरूरी : प्रो. आर्थर सी. रिडेकर

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर रहें, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अमरीका की टैक्सास ए-एंड-एम विश्वविद्यालय के संकाय फैलो प्रोफैसर सर्जिओ सी. कापारेडा मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने समारोह की अध्यक्षता की।

फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-12-23	4	1-6

मुख्यमंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

» कुलपति ने टिश्यू कल्चर तकनीक से केला किस्म तैयार करने बारे दी जानकारी

हिसार, 4 दिसम्बर (राठी): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सैंटर स्थापित है।

कुलपति ने बताया कि इस सैंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाकर 00 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके । इन स्टार्टअपस् के माध्यम से श्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। प्रदर्शनी के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन किया और वैज्ञानिकों के साथ बैठक की।

इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह सम्मेलन विश्व स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने तथा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में बहुत कारगर सिद्ध होगा।

हकृवि में आयोजित कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व अन्य।

उन्होंने श्रीअन्न के संबंध में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 75वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। देश में मोटे अनाजों वाली फसलों को फसल चक्र में शामिल कर भूमि जल व ऊर्जा का दक्षतापूर्ण उपयोग करके पोषण-सुरक्षा के लक्ष्य को सुनिश्चित किया जा सकता है।

इस अवसर पर कुलपति के ओ.एस.डी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व मंत्री प्रो.छत्रपाल सिंह, कैप्टन भूपेंद्र, मेयर गौतम सरदाना, सरोज सिहाग, सहित देश व विदेशों के शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों ने कई किस्मों बारे दी जानकारी

मुख्यमंत्री का पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

हकृवि शिक्षक संघ हौटा, गैरशिक्षक संघ तथा छात्रों ने भाजपा की 3 राज्यों में भारी जीत पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को लड्डू खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षक संघ के प्रधान डॉ अशोक गोदारा ने मुख्यमंत्री को राजस्थानी पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इस अवसर पर गैर शिक्षक संघ के प्रधान दिनेश राहड़, शिक्षक संघ के पूर्व प्रधान डॉ. करमल सिंह मलिक, उपप्रधान डॉ. कृष्ण यादव, सचिव डॉ. सोमवार निंबल, सहसचिव डॉ. दिनेश तोमर, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. मदन खीचड़ आदि मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ चलाई जागरूकता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से सामाजिक संस्था सर्व कल्याण मंच द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जागरूकता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यात्रा के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने नशे की रोकथाम हेतु संस्था द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा के माध्यम से सर्व कल्याण मंच संस्था द्वारा समाज को नशा करने से होने वाले नुक्सानों के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा और लोगों की जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	05.12.2023	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : खट्टर

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़/धरणी : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर स्थापित है। इस सैंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअपस के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में वैश्विक खाद्य और पोषण संबंधी सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण के लिए रणनीतियों पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा हैं। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने सैमीनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	05.12.2023	--	--

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम: मनोहर लाल

● एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से 100 स्टार्टअप हुए शुरू

सवेरा ब्यूरो/सुरेन्द्र मोदी

चंडीगढ़/हिसार, 4 दिसंबर : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित है। सेंटर के माध्यम से गत 04 वर्षों में 06 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इनके माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना और मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री। (दाए) विभिन्न देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

फसल की गुणवत्ता बढ़ाने में कृषि वैज्ञानिक की भूमिका अहम

उन्होंने सेमीनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है। साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है। जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी और पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियां को सुखद जीवन देने का काम करेंगे।

15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी ले रहे भाग

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 04 से 06 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भावनात्मक रिश्ता है। देश को अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका रही है। सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापरेडा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया।

मुख्य वक्ताओं में ये हुए शामिल : तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ. डिटर एच ब्रुट्ज ओस्नाबुक, डेनमार्क से डॉ. अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ. टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ. विक्टर कामकिन व डॉ. ओक्साना एमाकोवा, फ्रांस से डॉ. बोचाइब खदरी, पौलैंड से डॉ. टका ओ इशिकावा, मिस्र से डॉ. हॉसम रुश्दी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीम्मीट मैक्सिको से डॉ. एमके गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीला,† ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फगिओं व डॉ. वाल्मी हैजे-फगिओं, ईरी-शार्क से डॉ. राबे याहया, इक्रीसेट से डॉ. एसके गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्रपी अरोड़ा शामिल हैं। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे। जिनमें एडीजी आईसीआर डॉ. एसके शर्मा, एडीजी आईसीआर डॉ. बीपी मोहंती शामिल हैं।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन धूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ. केके यादव, एसडीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अर्पित तनेजा, डॉ. एसके पाहुजा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.12.2023	--	--

एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का शुभारंभ

कृषि उत्पादन के बढ़ावा के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअपस के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा हैं। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

फसल की गुणवत्ता बढ़ाने में कृषि वैज्ञानिक की भूमिका अहम : उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है।

15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी ले रहे भाग

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ केके यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अर्पित तनेजा, डॉ एसके पाहुजा आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	04.12.2023	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते तथा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल। तथा विभिन्न देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिको के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 दिसम्बर : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेसन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअपस् के माध्यम से टिश्यु कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढियां को सुखद जीवन देने का काम करेंगे।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भावनात्मक रिश्ता है। देश को अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका रही है। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापारेडा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ डिटर एच त्रुट्ज ओब्राब्रुक, डेनमार्क से डॉ अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ बिक्टर कामकिन व डॉ ओक्साना एर्मांकोवा, फ्रांस से डॉ बोचाइब खदरी, पौलेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्त्र से डॉ. हॉसम रूश्दी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीम्यीट मैक्सिको से डॉ. एम.के. गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीवा,, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फग्गिओं व डॉ. वाल्मी हैजे-फग्गिओं, ईरी-शार्क से डॉ. राबे याहया, ईक्रीसेट से डॉ. एस.के. गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा शामिल हैं। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे हैं, जिनमें एडीजी आईसीआर डॉ. एस.के शर्मा, एडीजी आईसीआर डॉ. बीपी मोहंती इत्यादि शामिल हैं।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ केके यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अर्पित तनेजा, डॉ एसके पाहुजा आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	04.12.2023	--	--

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरम्भ

हिसार (चिराग टाइम्स)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता को क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए

प्राकृतिक खेती समय की मांग है। उन्होंने कहा हरियाणा में कृषि के सतत विकास के लिए राज्य सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत बागवानी फसलों, जलीय कृषि, मुर्गी पालन आदि के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनियां के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनियां के कई देशों के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि में आधुनिकता लाने व समस्याओं को एक साथ हल करने के लिए हम दूसरे देशों का भी स्वागत करते है। विशेष तौर पर इजराइल के साथ हमने अच्छे संबंध बनाए है जिसमें हमारे यहां चल रहे 14 उत्कृष्टता केन्द्रों में इजराइल के साथ-साथ जापान का भी योगदान रहा है और भविष्य में दूसरे देशों के साथ भी कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा हरियाणा बाजरा सहित विभिन्न फसलों की खेती के लिए अपनी अनूठी व आदर्श जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने कहा आजीविका उत्पन्न करने, किसानों की आय बढ़ाने और दुनिया भर में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बाजरा एक महत्वपूर्ण फसल है। उन्होंने फसल सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, जलवायु लचीलापन, मूल्य संवर्धन, आय सृजन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और फसल कटाई के पहले और बाद की कई चुनौतियों को कम करने के लिए किसानों के बीच नवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रसारण में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिए जा रहे योगदान के लिए प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन और इसमें होने वाला विचार-विमर्श निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावशाली रूपरेखा तैयार करने में सफल होगा। विश्वविद्यालय फसलों की नई किस्में इजाद कर किसानों की आय बढ़ाने में उम्दा योगदान दे रहा है। वर्तमान समय में जल स्तर नीचे जा रहा है, जिसके लिए यदि किसान धान के अलावा अन्य फसल उगाता है तो उसको 7 हजार रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह सम्मेलन विश्व स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने तथा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में बहुत कारगर सिद्ध होगा।

उन्होंने श्रीअन्न के संबंध में बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 75वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। देश में मोटे अनाजों वाली फसलों को फसल चक्र में शामिल कर भूमि जल व ऊर्जा का दक्षतापूर्ण उपयोग करके पोषण-सुरक्षा के लक्ष्य को सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, कैप्टन भूपेंद्र व मेयर गौतम सरदाना सहित देश व विदेशों के शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिक भी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.12.2023	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री

पांच बजे न्यूज

हिसार। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप्स के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियों को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भावनात्मक रिश्ता है। देश को अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका रही है। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सीजेओ सी कापरेड़ा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ डिटर एच ब्रुट्ज ओवरबुक, डेनमार्क से डॉ अहमद बहर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ विक्टर कामकिन व डॉ ओक्साना एर्माकोवा, फ्रांस से डॉ बोचाइब खदरी, फीनेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्र से डॉ. हॉसम मरदी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीमेंट मैक्सिको से डॉ. एमके गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडेया, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फगिओ व डॉ. कार्ला हैले-फगिओ, ईरी-शार्क से डॉ. रवे चावण, ईक्रीसेट से डॉ. एसके गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद पी. अरोड़ा शामिल है। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे है, जिनमें एडीजी आईसीएआर डॉ. एसके शर्मा, एडीजी आईसीएआर डॉ. बीपी मोहंती इत्यादि शामिल है।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ केके यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अर्पित तनेजा, डॉ एसके पाहुजा आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	04.12.2023	--	--

सीएम मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री

हिसार, 4 दिसंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 15 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई है। अधिक खाद एवं दवाइयों के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही है। वहीं नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियों को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 400 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भावनात्मक रिश्ता है। देश को अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका रही है। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आंद्रे सी गिब्बर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर भाविंधो सी वारापरेड्डा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ डिटर एम कूटर ओक्सब्रुक, डेनमार्क से डॉ अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोना व डॉ टाकुरो शिमानो, कजाकिस्तान से डॉ विक्टर कामकिन व डॉ ओक्साना एर्माकोवा, फ्रांस से डॉ बोनाइव खुदरी, पोलैंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्र से डॉ. हमिम क्रम्दी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीम्मीट मेक्सिको से डॉ. एम.के. गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडोया, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फर्नांडो व डॉ. कालवी ड्रेडे-फर्नांडो, इंटर-शार्क से डॉ. राबे याहया, इक्रीसेट से डॉ. एस.के. गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा शामिल हैं। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे हैं, जिनमें एडीजी आईसीएआर डॉ. एस.के. शर्मा, एडीजी आईसीएआर डॉ. बीरबी मोहंती इत्यादि शामिल है। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, राजिन्दुर करतार सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ के.के. यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अर्पित जैन, डॉ एस.के. पाहुजा आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-12-23	5	1-8

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री

हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरम्भ * मुख्यमंत्री ने उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

हिसार, 4 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है। उन्होंने कहा हरियाणा में कृषि के सतत विकास के लिए राज्य सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत बागवानी फसलों, जलीय कृषि, मुर्गी पालन आदि के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि में आधुनिकता लाने व समस्याओं को एक साथ हल करने के लिए हम दूसरे देशों का भी स्वागत करते है। विशेष तौर पर इजराइल के साथ हमने अच्छे संबंध बनाए है जिसमें हमारे यहां चल रहे 14 उत्कृष्टता केन्द्रों में इजराइल के साथ-साथ जापान का भी योगदान रहा है और भविष्य में दूसरे देशों के साथ भी कृषि गतिविधियों को बढ़ाया दिया जाएगा। उन्होंने कहा हरियाणा बाजरा सहित विभिन्न फसलों की खेती के लिए अपनी अनूठी व आदर्श जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने कहा आजीविका उत्पन्न करने, किसानों की आय बढ़ाने और दुनिया भर में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाजरा एक महत्वपूर्ण फसल है। उन्होंने फसल सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, जलवायु लचीलापन, मूल्य संवर्धन, आय सृजन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और फसल कटाई के पहले और बाद की कई चुनौतियों को कम करने के लिए किसानों के बीच नवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रसारण में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिए जा रहे योगदान के लिए प्रसन्नता की और आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन और इसमें होने वाला विचार-विमर्श निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावशाली रूपरेखा तैयार करने में सफल होगा। विश्वविद्यालय फसलों की नई किस्में इजाद कर किसानों की आय बढ़ाने में उम्दा योगदान दे रहा है। वर्तमान समय में जल स्तर नीचे जा रहा है, जिसके लिए यदि किसान धान के अलावा अन्य फसल उगाता है तो उसको 7 हजार रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित अन्य। व (दाएं) तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित देश व विदेश के शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों से रूबरू होते हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-12-23	4	1-6

एचएयू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रो. आर्थर सी रिडेकर बोले

बायोमास का खेत में ही जैविक तरीके से करें निपटान

खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य जुड़ी हुई अवधारणाएं

अभियांत्रिकी आधारित तकनीक से कृषि क्षेत्र में कृषकों की संपन्नता संभव

प्रो. सतिंद्रो सी. कापरेडा बोले- अवशिष्ट पदार्थ का प्रबंधन जरूरी